भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

03 मई, 2015

दलाल नौकरशाही पूंजीपतियों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रधान सेवक मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे के बहिष्कार की अपील

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदाओं को कौडियों के भाव देशी, विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने के लिए प्रस्तावित विभिन्न एमओयु पर हस्ताक्षर करने 9 मई को तय मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे का बहिष्कार करने, विरोध प्रदर्शनों, चक्काजाम का आयोजन करने एवं मोदी व रमण सिंह के पुतले दहन करके जोरदार विरोध दर्ज करने हमारी पार्टी राज्य की जनता, जनवादियों, प्रगतिशील व देशभक्त ताकतों, मजदूर–किसानों, आदिवासी एवं गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों का आह्वान करती है। दरअसल मोदी के दौरे का बहिष्कार राज्य के उत्पीड़ित लोगों खासकर किसानों व आदिवासियों के अस्तित्व, अस्मिता एवं राज्य के जल–जंगल–जमीन व खनिज संसाधनों को बचाने की लड़ाई का प्रतीक है।

सत्तारूढ़ होते ही मोदी ने जन विरोधी, देश विरोधी एवं देशी, विदेशी कॉरपोरेट घराना परस्त आर्थिक व औद्योगिक नीतियों पर अमल में अभूतपूर्व तेजी लायी। देश के विकास, युवाओं को रोजगार के नाम पर जनता को दिग्भ्रमित करते हुए 'मेक इन इंडिया' का नारा देकर देश को लूटने का देशी, विदेशी बड़े औद्योगिक घरानों को खुला न्योता दिया है। देश के जल–जंगल–जमीन एवं खनिज संसाधनों को बेरोकटोक लुटाने के लिए ही भूमि अधिग्रहण (संशोधन) अध्यादेश को लाया। मोदी वास्तव में देश के प्रधान मंत्री के रूप में नहीं बल्कि देश के दलाल नौकरशाही पूंजीपतियों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रधान सेवक के रूप में अपनी सेवाएं जोरदार ढ़ंग से दे रहे हैं।

मोदी के 'मेक इन इंडिया' के ही तर्ज पर रमण सिंह 'मेक इन छत्तीसगढ़' का नारा देकर छत्तीसगढ़ के संसाधनों को लुटा रहे हैं। हाल ही के राज्य बजट एवं नयी औद्योगिक नीति से इस बात का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। लौह अयस्क एवं अन्य खनिज संसाधनों की सस्ती लूट एवं सशस्त्र बलों की आवाजाही को सुगम बनाने की कवायद के तहत ही दल्ली–रावघाट रेल लाइन का बड़े पैमाने पर अर्ध–सैनिक बलों की तैनाती के सहारे जबरन निर्माण किया जा रहा है। अब उसे जगदलपुर तक (रावघाट–जगदलपुर) विस्तार करने की योजना को अमलीजामा पहनाने, अति वृहद इस्पात संयंत्र (अल्टा मेगा स्टील प्लांट) की स्थापना के लिए एमओयु करने एवं नये रायपुर में पुलिस मुख्यालय का उद्घाटन करने मोदी आ रहे हैं। मोदी द्वारा एकसाथ दंतेवाडा में एमओयु और नयी राजधानी में पुलिस मुख्यालय का उद्घाटन संयोग नहीं सुनियोजित है।

आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों–पांचवीं अनुसूची, पेसा, ग्रामसभाओं के अधिकारों का खुला उल्लंघन करते हुए, राज्य पुलिस एवं अर्ध–सैनिक बलों को तैनात करके बस्तर संभाग एवं राजनांदगांव में स्थित रावघाट, चारगांव, आमदाई, कुव्वे, बुधियारी माड़, पल्लेमाडी आदि दर्जनों खनन परियोजनाओं को शुरु करने की कोशिशों में तेजी लायी गयी है। माड की एक–चौथाई इलाके पर सैनिक प्रशिक्षण शाला के नाम पर सैनिक अड्डा बनाने की कवायद भी जोरों पर चल रही है। इसी के तहत सरकारी सशस्त्र बलों द्वारा माड सहित तमाम संघर्ष इलाकों में गश्त अभियान व गांवों पर हमलें बढ़ाये गये हैं। पीएलजीए पर सूचना आधारित हमलें, फर्जी मुठभेड़ें जारी हैं।

हमारी पार्टी राज्य की जनता का आह्वान करती है कि वह राज्य की प्राकृतिक संपत्ति व संसाधनों खासकर जल–जंगल–जमीन व खनिज संसाधनों एवं आदिवासी अस्तित्व को बचाने केंद्र व राज्य में सत्तारूढ़ हिन्दुत्व फासीवादी भाजपा सरकारों के खिलाफ व्यापक, संगठित व लड़ाकू जन आन्दोलन खड़ा करें। दण्डकारण्य में जारी क्रांतिकारी जनयुद्ध की हर संभव मदद करें एवं ऑपरेशन ग्रीनहंट के नाम पर जनता पर जारी नाजायज युद्ध का विरोध करे।

गुड्सा उसेण्डी

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)